कांग्रेस के सदस्यता अभियान के चलते कुछ दिनों के लिए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति टल सकती है

अभी जिलाध्यक्ष बने तो सदस्यता अभियान पर पड़ सकता है विपरीत प्रभाव

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस और से 13 जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने के बाद बाकी बचे हुए 26 जिला कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति का मामला अगले 4 महीने बाद होने की संभावना है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनने की लाइन में लगे हुए नेताओं को विश्वास है कि बहुत जल्द उन्हें नियुक्ति पत्र मिलने वाली हैं। वहीं जानकार भी इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि क्या संगठन चुनाव से पहले बाकी बचे हुए जिला कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति होगी या फिर इन सबको कांग्रेस के सदस्यता अभियन के पूरा होने का इंतजार करना होगा।

दरअसल कांग्रेस की सदस्यता का अभियान शुरू हो चुका है और जून 2022 तक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष की चुनावी प्रक्रिया पूरी की जानी है। अब यदि अभी जिला कांग्रेस अध्यक्ष बना दिए जाते हैं तो जिलों में कांग्रेस के सदस्यता अभियान पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। अभी जिला कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति हो जाती है, तो राजस्थान में 50 लाख सदस्य बनाए जाने की जो संभावना जताई गई है, उस पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में फिलहाल जिला कांग्रेस अध्यक्षों के साथ ही ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति का मामला सदस्यता अभियान पूरा होने तक अटकता दिख रहा है।

वर्तमान में कांग्रेस का सदस्यता अभियान शुरू हो चुका है और यह अभियान 31 मार्च तक पूरा होना है। कहा जा रहा है कि इसके बाद सदस्यता अभियान की तिथि आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। इस अभियान के लिए जिला तथा विधानसभावार जिम्मेदारी भी दी जा चुकी है। ऐसे में यदि सदस्यता अभियान

- 31 मार्च तक पूरा होगा कांग्रेस का सदस्यता अभियान

के जारी रहने के दौरान जिला और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति हो जाती है तो फिर जिन लोगों को जिला और विधानसभा वार सदस्यता अभियान की जिम्मेदारी दी गई है या जो अन्य लोग संगठन में जिला या ब्लॉक अध्यक्ष बनने के इच्छुक हैं वह सदस्यता अभियान को गंभीरता से नहीं लेंगे आर ऐसा होने पर जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसका प्रभावित होना तय माना जा रहा है। इसलिए बताया जा रहा है कि अब संगठन के चुनाव के साथ ही जिला और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाएंगे।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मार्च तक चलने वाले कांग्रेस के सदस्यता अभियान के बाद संगठन के चुनाव होंगे और उन चुनावों में प्रदेश कांग्रेस सदस्य, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य तो बनाए ही जाएंगे। साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष का चुनाव भी होना है। ऐसे में कांग्रेस नेताओं की नजर में ही जिला और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की इस समय नियुक्ति किया जाना तर्कसंगत भी नजर नहीं आ रहा है। कांग्रेस नेताओं के अनुसार यदि इस समय जिला और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति होती है तो निश्चित माना जाएगा कि संगठन चुनाव के बाद में इनमें से कई जिला और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों को बदला जा सकता है। इसलिए सिर्फ 2 या 3 महीने या 5 महीने के लिए जिला या ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति किया जाना फिलहाल संभव नजर नहीं आ रहा है।

इधर राजस्थान में जिला कांग्रेस के अध्यक्ष बनाए जाने वाले नेताओं को बीसूका का अध्यक्ष बनाए जाने की बात भी कही गई है। ऐसे में अब अधिकांश नेताओं का ध्यान भी जिला कांग्रेस का अध्यक्ष बनने पर लगा हुआ है। अब यदि संगठन चुनाव से पहले जिला कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति हो जाती है और उन्हें बीसूका का उपाध्यक्ष बनाया जाता है, तो फिर निश्चित है कि वे लोग पद मिलने के बाद में कांग्रेस की सदस्यता अभियान का लक्ष्य पूरा करने के बजाए मात्र औपचारिकता निभाने का प्रयास करेंगे। इन तमाम संभावनाओं को देखते हुए फिलहाल जिला कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्तियों का मामला ठंडे बस्ते में जाता दिख रहा है।

गुमराह करने वाली शक्तियों से सावधान रहें युवा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को उनके निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित वर्चुअल संवाद कार्यक्रम में ''आजादी का स्वर्णिम इतिहास एवं नया भारत'' विषयक संगोष्ठी को संबोधित किया।

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश में आज शांति एवं सद्भाव कायम करने की जरूरत है। अनेकता में एकता वाले इस मुल्क में कुछ ताकतें हमारे नौजवानों को गुमराह कर रही हैं। धर्म और जाति के आधार पर नई पीढ़ी आपस में लड़ाने वाली इन ताकतों को हमें कामयाब नहीं होने देना है।

गहलोत रविवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर आयोजित वर्चुअल संवाद कार्यक्रम में 'आजादी का स्वर्णिम इतिहास एवं नया भारत' विषयक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने युवाओं में एक नया जज़्बा कायम किया और विदेश की धरती पर आजाद हिंद फौज खड़ी कर अपनी हिम्मत एवं साहस का परिचय दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के आंदोलन के महानायकों में ब्रिटिश सत्ता से आजादी के उद्देश्य को लेकर आपसी समन्वय था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से प्रभावित होकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस आजादी की जंग में कूदे थे। गांधी जी एवं नेहरू जी की तरह ही उनका उद्देश्य भी मुल्क की आजादी था। आजादी के इन महानायकों में वैचारिक अंतर भले ही रहा हो लेकिन उनमें मनभेद नहीं था, क्योंकि गांधीजी असहमति व्यक्त करने एवं आलोचना करने वालों का भी सम्मान करते थे। उन्होंने कहा कि आज के माहौल में देश में सहिष्णुता की भावना कम होती जा रही है। असहमति व्यक्त करने पर लोगों को देशद्रोही बताते हुए जेल भेजा जा रहा है। गहलोत ने कहा कि कुछ ताकतें हमारे नौजवानों को गुमराह कर रही हैं। इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के प्रयास किए जा रहे हैं। 50 वर्ष से जल रही अमर जवान ज्योति को बुझा दिया गया है। 70 सालों में अर्जित की गई देश की उपलब्धियों को नकारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश

- नेताजी की आजाद हिंद फौज में युवाओं के साथ अनुभवी लोग भी थे : डॉ. बी.डी. कल्ला

आज जिस राह पर जा रहा है, उसे देखते हुए हमारी नौजवान पीढ़ी यहां की महान संस्कृति एवं परम्पराओं के बारे में अध्ययन करे और सच्चाई की राह अपनाए। नेताजी की 125वीं जयंती पर देश के कर्णधार युवाओं को मुल्क को एक व अखंड रखने का संकल्प लेते हुए धर्म निरपेक्ष एवं समता मूलक समाज के निर्माण के नेताजी के सपने को पूरा करना होगा। यही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कला, साहित्य एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने कहा कि नेताजी की आजाद हिंद फौज में युवाओं के साथ अनुभवी लोग भी थे। नेताजी का मानना था कि युवा शक्ति एवं बुजुर्गों के अनुभव को साथ लेकर हम अंग्रेजों को हरा सकते हैं। नेताजी ने राष्ट्रवाद, धर्म निरपेक्षता एवं समता मूलक समाज के विचारों का पौधा बोया। देश की आजादी उनका एक मात्र मंसूबा था और अपने दृढ़ निश्चय से उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी। राज्यमंत्री युवा मामले एवं खेल विभाग अशोक चांदना ने कहा कि विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को स्वतंत्रता आंदोलन के महानायकों के बारे में जानकारी दी जाएगी।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राजीव गांधी स्टडी सर्कल के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. सतीश राय ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रखर राष्ट्रवादी एवं स्वराज्य के प्रबल पक्षधर थे। वे लोकतंत्र में विश्वास रखते थे एवं समता मूलक समाज की रचना करना उनका उद्देश्य था। वैचारिकी में वे समाजवादी थे और उनका समाजवाद भारतीय संस्कृति एवं विरासत के अनुरूप था।

गांधी पीस फाण्डेशन के अध्यक्ष कुमार प्रशांत ने कहा कि गांधीजी ने अलग-अलग जातियों, धर्म, प्रांतों एवं सूबों वाले इस मुल्क को एक रखने का उपक्रम किया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजादी हिंद फौज के सुप्रीम कमांडर के रूप में रंगून से गांधीजी को पहली बार राष्ट्रपिता के नाम से संबोधित किया। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने लाल किले की प्राचीर से अपने पहले संबोधन का समापन नेताजी के दिए नारे 'जय हिन्द' से किया। उन्होंने कहा कि नेताजी की 125वीं जयंती पर आज हमें संकल्प लेना चाहिए कि गांधी एवं नेताजी के सपनों के भारत को कायम रखें। आजादी के स्वर्णिम इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने को मिशन के रूप में लें, ताकि आने वाली पीढ़ी इस स्वर्णिम इतिहास के बारे में जान सके।

शांति एवं अहिंसा निदेशालय के निदेशक मनीष शर्मा ने कहा कि शांति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ के माध्यम से जिला एवं उपखंड स्तर पर युवाओं में स्वतंत्रता आंदोलन के स्वर्णित इतिहास के बारे जानकारी पहुंचाई जाएगी। उन्होंने बताया कि आजादी के 75वीं वर्षगांठ को देखते हुए प्रदेश के सभी जिलों में 30 जनवरी को 75 युवा शांति मार्च निकालेंगे और गांधी के सत्य एवं अहिंसा के संदेशों को आमजन तक पहुंचाएंगे।

कार्यक्रम में शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग नरेश कुमार ठकराल, राजस्थान युवा बोर्ड के सदस्य सचिव कैलाश चंद पहाड़िया, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, जयपुर के उपनिदेशक महेन्द्र सिसोदिया, एनसीसी के मेजर पुष्पेन्द्र सिंह, स्काउट गाइड के पूरण सिंह शेखावत एवं एनएसएस के धर्मेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे। विभिन्न जिलों के कलेक्टर, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड एवं नेहरू युवा केन्द्रों से जुड़े युवा भी वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित हुए।

केन्द्रीय अतिरिक्त सचिव ने बेगस-बसेड़ी क्षेत्र में कृषि-उद्यानिकी गतिविधियों का जायजा लिया

जयपुर। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार संजय कुमार सिंह ने रविवार को जयपुर जिले के बेगस-बसेड़ी क्षेत्र में कृषि एवं उद्यानिकी गतिविधियों का निरीक्षण किया।

अतिरिक्त सचिव ने क्षेत्र के किसानों द्वारा की जा रही ग्रीन हाउस खेती, लॉ टनल खेती, मल्चिंग, ड्रिप सिंचाई तकनीक, मिनी स्प्रींकलर, फर्टीगेशन एवं ऑटोमेशन तकनीक देखी और विभिन्न पहलुओं पर किसानों एवं विभागीय अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने इन तकनीकों के विशिष्ट लाभ के साथ-साथ विभागीय स्तर से इनके व्यापक प्रसार के लिए वांछित सुझाव मांगे। कुमार ने क्षेत्र में बड़े स्तर पर स्थापित किए ग्रीन हाउसेज एवं कलस्टर उत्पादन तथा युवा किसानों के इस ओर प्रेरित होने की प्रशंसा की। उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, संरक्षित खेती, फार्म पोण्ड एवं सोलर पंपिंग सिस्टम के उत्कृष्ट समन्वय को देश एवं राज्य के अन्य क्षेत्रों में प्रचारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाने तथा इन्हीं के माध्यम से आदान एवं उत्पाद के विपणन करने की सलाह दी। उन्होंने कृषक समूहों को उत्पादन के उचित मूल्य दिलवाने के लिए मदर डेयरी और नाफेड से उचित समन्वय कराने का आश्वासन दिया।

भ्रमण के दौरान संयुक्त निदेशक उद्यान रामलाल मीणा ने ग्रीन हाउस एवं फार्म पोण्ड योजना के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उपनिदेशक उद्यान राजेन्द्र सिंह खीचड़ ने राज्य में किसानों द्वारा अपनाई जा रही सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, फर्टीगेशन, ऑटोमेशन एवं सोलर पम्प के तकनीकी, योजना क्रियान्वयन तथा वित्तीय प्रावधानों की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया। उपनिदेशक उद्यान जयपुर राकेश कुमार पाटनी ने विभिन्न उद्यानिकी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन एवं अनुदान के बारे में बताया।

राज्यपाल का ट्विटर अकाउंट हैक, देर शाम रिकवर किया

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र का ट्विटर अकाउंट रविवार सुबह हैक कर लिया गया। सुबह 11.28 बजे राज्यपाल के ट्विटर हैंडल से अरबी भाषा में ट्वीट किया गया। साथ में एक इमोटिकॉन भी पोस्ट किया गया है, जिसमें किस ऑफ लव साइन दिखाई दे रहा था। हालांकि अकाउंट हैक होने के बाद साइबर टीम और पुलिस एक्टिव हुई और देर शाम तक अकाउंट को रिकवर कर लिया गया। इस बताया जा रहा है अकाउंट हैक करने वाले इंटरनेशनल हैकर है। अरबी में किए गए ट्वीट का मतलब है- 'गुड मार्निंग, आपके चाचा स्पूकी और हायब्रिड आपको दुआ देते हैं।' उधर राज्य के प्रथम नागरिक राज्यपाल का ट्विटर अकाउंट हैक होते ही साइबर पुलिस और जयपुर पुलिस कमिश्नरेट हरकत में आ गए। राजभवन से भी इसकी शिकायत की गई। साइबर एक्सपर्ट्स राज्यपाल के ट्विटर अकाउंट को हैकर से वापस रिकवर करने में देर शाम तक जुटे रहे। अकाउंट किसने हैक किया और कहां से हैक हुआ, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। साइबर एक्सपर्ट्स की टीम राज्यपाल के अकाउंट के सिक्योरिटी फीचर्स को भी चेक कर रही है कि कैसे अकाउंट हैक हो गया?

रीट परीक्षा के पेपर लीक धांधली मामले में सीबीआई जांच करवाएं : डॉ. सतीश पूनिया

जयपुर। प्रदेश में रीट परीक्षा 2021 के पेपर लीक, अनियमितताएं तथा धांधली के संबंध में सीबीआई जांच करवाए जाने के संदर्भ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखा है। डॉ. पूनिया ने गहलोत को पत्र में लिखा कि, राजस्थान में रीट परीक्षा 2021 प्रदेश के विभिन्न जिलों में सितम्बर 2021 में सम्पन्न हुई। रीट पेपर में लाखों अभ्यर्थी सम्मिलित हुए तथा परीक्षा का आयोजन दो पारियों में सम्पन्न हुआ। समय से पूर्व रीट का पेपर बाहर आना, डमी अभ्यर्थियों के बैठने से एवं धांधली से प्रदेश के लाखों युवाओं के सपनों के साथ धोखा हुआ। सरकार के द्वारा प्रशासनिक सेवाओं के विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पेपर आउट में संलिप्त मानते हुए निलंबित और उन्हें गिरफ्तार किया। पूर्व शिक्षा मंत्री ने कहा था कि परीक्षा का सफल आयोजन हुआ, जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों में पेपर लीक तथा धांधली की खबरें समाचार पत्रों, मीडिया एवं

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लिखा पत्र

सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित हुई थी।

एसओजी ने अपनी जांच में बत्तीलाल मीणा व अन्य अभियुक्तों को मुलजिम मानकर गिरफ्तार किया, परन्तु पेपर लीक का मास्टरमाइंड भजनलाल करीब 4 माह बाद एसओजी के गिरफ्त में आया। समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के अनुसार भजनलाल ने रीट का पेपर पृथ्वीराज को व्हाटसएप के माध्यम से भेजा एवं 40 लाख रूपये में बेचा और बाड़मेर व जालौर में भी रीट का पेपर बेचने की बात सामने आई।

गंगापुरसिटी में परीक्षा केन्द्र से रीट का पेपर लीक होने के बाद बत्तीलाल मीणा की गिरफ्तारी के बाद भजनलाल का नाम सामने आया। भजनलाल की गिरफ्तारी के बाद जेईएन तथा एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया। परीक्षा केन्द्र में परीक्षा प्रारंभ होने से पहले प्रिंट निकालने के लिए प्रिंटर की व्यवस्था की गई थी। रिश्तेदारों व परिचितों को रीट का पेपर परीक्षा से पहले ही दे दिया गया। मीडिया के माध्यम से यह भी पता चला है कि एक दिन पहले ही गंगापुरसिटी में व्हाटसएप पर दोपहर 3:45 मिनट पर पेपर वायरल हो गया था इसके बाद परीक्षा केन्द्र पर प्रिंटर से प्रिंट लेकर पेपर बंटते गए। इस परीक्षा केन्द्र पर रीट के पेपर 8 से 10 लाख रूपये में बांटे गये।

एसओजी आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद भी अभी तक यह मालूम नहीं कर पाई कि पेपर कहां से आया, कैसे लीक हुआ ? रीट पेपर नेटबंदी से पहले भजनलाल के पास कैसे पहुंच गया तथा बत्तीलाल के माध्यम से गंगापुरसिटी में पेपर कैसे उपलब्ध हुआ? रीट परीक्षा 2021 की स्वतंत्र निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच, पेपर लीक एवं धांधली से संबंधित मामलों की जांच सीबीआई को भेजी जाए।

भाजपा ने सुभाष चंद्र बोस को दी श्रद्धांजलि

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया और जिला अध्यक्ष राघव शर्मा द्वारा जयपुर शहर स्थित सुभाष चौक सर्किल पर सुभाष चंद्र जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की, इस अवसर पर डॉ सतीश पूनिया ने कहा नेता जी ने 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा।' जैसे क्रांतिकारी शब्दों का प्रयोग कर देश के युवाओं को स्वतंत्रता के लिए जागृत किया था। शहर अध्यक्ष राघव शर्मा ने कहा नेताजी युवाओं के लिए प्रेरणा पुंज थे। शर्मा ने कहा उनकी मृत्यु आज भी संशय है जिसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन समितियां बनाई जो कि इस जांच में जुटी है कि नेताजी की रहस्यमई मृत्यु कैसे हुई। अब स्वाधीनता दिवस 23 जनवरी से मनाया जाएगा, जिसका पहले 24 जनवरी से इसका आगाज होता था हम बधाई देते हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिन्होंने नेताजी को इस 23 तारीख से स्वाधीनता कार्यक्रम की शुरुआत कर नेताजी की 125वीं जयंती पर सच्ची श्रद्धांजलि दी है।

कलमकार पुरस्कारों की घोषणा, महेश कुमार, नैहनू राम प्रथम

जयपुर, (का.सं.)। देश की अग्रणी साहित्यिक संस्था कलमकार मंच की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कलमकार पुरस्कार प्रतियोगिता में इस वर्ष कहानी एवं लघुकथा श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जयपुर के महेश कुमार की कहानी 'ख़ौफ़' और गीत, ग़ज़ल, कविता श्रेणी में प्रथम पुरस्कार टोंक के नैहनू राम मीना की रचना 'जातन' को

- संगीता सेठी और रामनारायण द्वितीय, तृतीय पुरस्कार राम करन, अनिता राठौर मंजरी, अनघा जोगलेकर, वाचस्पति सौरभ, देवेश पथसारिया, साधना जोशी प्रधान और प्रकाश प्रियम को
- आशुकवि बंकट बिहारी 'पागल' सम्मान दशरथ कुमार सोलंकी को

राजस्थान के रामनारायण मीना 'हलधर' की 'ग़ज़ल' और तृतीय पुरस्कार समस्तीपुर, बिहार के वाचस्पति सौरभ 'रेणु', अलवर, राजस्थान मूल के ताईवान निवासी देवेश पथसारिया और जयपुर की साधना जोशी प्रधान एवं मनोहरपुर, जयपुर के प्रकाश प्रियम को संयुक्त रूप से दिया जाएगा। इस वर्ष आशुकवि बंकट बिहारी 'पागल' सम्मान दशरथ कुमार सोलंकी को दिया जाएगा।

कलमकार मंच के राष्ट्रीय संयोजक निशांत मिश्रा ने बताया कि कलमकार पुरस्कार-2020-21 में देशभर से बड़ी संख्या में रचनाएं प्राप्त हुईं। टीम कलमकार की ओर से दो स्तर पर शॉर्टलिस्ट करने के बाद पुरस्कार के लिए श्रेष्ठ रचनाओं का चयन निर्णायक मंडल में शामिल देश के जाने माने साहित्यकारों ने किया। कहानी एवं लघुकथा श्रेणी में वरिष्ठ साहित्यकार एवं समीक्षक राजाराम भादू, कुमार मुकुल एवं कान्ता रॉय तथा गीत, कविता एवं ग़ज़ल श्रेणी में प्रियदर्शन, प्रभात और डॉ. दुष्यन्त जैसे वरिष्ठ साहित्यकार निर्णायक मंडल में शामिल थे। उन्होंने बताया कि करोना और ओमिक्रॉन के चलते मौजूदा हालात को देखते हुए कलमकार पुरस्कार समारोह का आयोजन सामान्य स्थिति होने पर अप्रेल, 2022 में किया जाएगा, जिसमें वर्ष 19-20 और 20-21 के विजेताओं को नवाजा जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी एवं वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने कलमकार मंच की ओर से अप्रेल माह में आयोजित किये जाने साहित्य उत्सव और साहित्य यात्रा के तहत जैसलमेर में होने वाले आयोजन की जानकारी देते हुए कहा कि विश्वभर से पर्यटक जैसलमेर घूमने आते हैं फिर साहित्य सृजक ऐसे विश्व प्रसिद्ध जगह पर जाने से कैसे वंचित रह सकते हैं। उन्होंने संस्था के कार्यों की प्रशंसा की। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यनारायण ने इस अवसर पर कहा कि किसी भी प्रतियोगिता का उद्देश्य होता है कि उसके माध्यम से बेहतर प्रतिभाओं को खोजा जाए और इस दिशा में कलमकार मंच बेहतरीन कार्य कर रहा है। कलमकार की संस्थापक सदस्य उमा ने बताया कि आगामी 29 जनवरी को कलमकार मंच द्वारा प्रकाशित वरिष्ठ व्यंग्यकार फारूक आफरीदी के व्यंग्य संग्रह 'धन्य है आम आदमी', किस्सागोई फेम लेखिका उमा के कहानी संग्रह 'चाँद, रोटी और चादर की सिलवटें', महेश कुमार के उपन्यास 'शहरी शरीफ़', दशरथ कुमार सोलंकी के काव्य संग्रह 'उजास के अर्थ', ओमप्रकाश नौटियाल के कहानी संग्रह 'शतरंजी खंभा', डॉ. पीयूष चंद्र पंड्या के व्यंग्य संग्रह 'ताल से ताल मिला', सेवा सदन प्रसाद के लघुकथा संग्रह 'अंत:प्रेरणा', प्रकाश प्रियम के संस्मरण 'अतीत का सफ़रनामा', डॉ. भोला शंकर मिश्र के कहानी संग्रह 'जीवन' एवं 'भ्रान्ति', दीपक ठाकुर के काव्य संग्रह 'पहाड़ी लड़की' और नीतू झारोटिया 'रूद्राक्षी' के काव्य संग्रह 'क्योंकि... बस इतना ही' का विमोचन जयपुर में आयोजित समारोह में किया जाएगा।

कलमकार पुरस्कारों की घोषणा के दौरान मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी एवं वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी, डॉ. सत्यनारायण, विनोद भारद्वाज, गजेन्द्र एस. श्रोत्रिय और उमा मौजूद थे। कोविड गाइड लाइन की पालना में पुरस्कार घोषणा का सीधा प्रसारण सोशल मीडिया पर किया गया।

वारदात की फ़िराक में घूम रहा वांटेड बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। बजाज नगर थाना पुलिस ने वारदात की फ़िराक में घूम रहे वांटेड अपराधी को लालकोठी सब्जी मंडी के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से देशी कट्टा सहित कारतूस जब्त किए हैं।

डीसीपी (ईस्ट) प्रह्लाद कृष्णियां ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित रवि उर्फ कान्हा (23) गौतम नगर, बजाज नगर का रहने वाला है। आरोपित रवि और इसका छोटा भाई अजय उर्फ़ टुंडा आदतन अपराधी है, जिनके खिलाफ विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपित बजाज नगर और सांगानेर थाने के प्रकरणों में वांछित था। एसआई प्रकाशराम विश्नोई को मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके बाद आरोपी को सब्जी मंडी के पास वारदात की फ़िराक में घूमते हुए गिरफ्तार कर लिया गया।

सरकार, मंत्री और प्रशासन अबोध बेटी की पीड़ा को समझते हैं पिकनिक का अवसर : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अलवर में मूक बधिर बालिका से दुष्कर्म मामले में राज्य सरकार के मंत्री और अफसरों की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं।

रविवार को बयान जारी कर शेखावत ने कहा कि एक तरफ नाबालिग बिटिया से हुए दुष्कर्म के विरोध में समूचा अलवर जिला बंद रहा और आम जनता ने अपनी दिनचर्या रोक दी, वहीं दूसरी ओर

- केंद्रीय मंत्री ने अलवर गैंगरेप मामले पर राज्य सरकार की कार्यशैली पर उठाए सवाल

राज्य के सामाजिक न्याय मंत्री टीकाराम जूली अलवर जिला कलेक्टर और एसपी समेत कई अधिकारियों को लेकर सरिस्का अभयारण्य घूमने को निकले थे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि मतलब ये सरकार, उसके मंत्री और उसका प्रशासन एक अबोध बेटी की पीड़ा को पिकनिक का अवसर समझते हैं। इनके लिए समाज की करुणा, उसका दुख और उसका रोष जैसे रोज की बात है। केंद्रीय मंत्री ने पूछा कि क्यों गहलोत क्या आप भी यही सोचते हैं कि यह सब तो चलता रहता है, ऐसे मामलों पर ज्यादा ध्यान देना नहीं चाहिए? शेखावत ने कहा कि मंत्री टीकाराम जूली की संवेदना और कर्तव्य बोध का निर्णय अब जनता को ही करना होगा।

सुभाष चंद्र बोस स्वधर्म, स्वराज्य तथा स्वाभिमान की प्रेरणा : अद्वैतचरण

जयपुर। 'समय आ गया है कि हम सुभाष चंद्र बोस के नाम से नवयुवाओं को जोड़े। सुभाष चंद्र बोस के जीवन पर परिचर्चा मात्र न करें अपितु स्वयं परिश्रम करके अगले दो दशकों में भारत को श्रेष्ठ, समृद्ध तथा गौरवशाली बनाएँ।' ये विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचारक प्रमुख अद्वैतचरण दत्त ने व्यक्त किए। वे जयपुर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ऑनलाइन सुभाष चंद्र बोस जयंती कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सोशल मीडिया के माध्यम से नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का प्रसारण हुआ। तत्पश्चात अपने उद्बोधन में अद्वैतचरण ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर जानकारी देते हुए कहा कि सुभाष चंद्र बोस के साथ डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार, वीर सावरकर तथा लाल बाल पाल के निकट वैचारिक संबंध रहे तथा इन सबने मिलकर योजनापूर्वक देश की स्वाधीनता के लिए अपने-अपने क्षेत्र में कार्य किया।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम पलक विक्रम तुलस्यानी से बदलकर छाया कृष्नानी रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। पता- 47, सागर एन्क्लेव नियर विधानसभा नगर, पत्रकार कॉलोनी, मानसरोवर, जयपुर

आम सूचना मेरे मुवक्किल मोहम्मद सलीम पुत्र श्री सईदुल्लाह खान निवासी मकान नम्बर 3798, एस के मंजिल बाबू का टीबा, नगीना मस्जिद, जयपुर के पुत्र मोहम्मद हसन खान का व्यवहार मेरे मुवक्किल के प्रति सही नहीं है तथा मोहम्मद हसन को मेरे मुवक्किल ने उसके गलत व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति व अपनी नीजि जिन्दगी से बेदखल कर दिया है कोई भी व्यक्ति मोहम्मद हसन खान से यदि कोई संव्यवहार या लेन देन करेगा तो उसके लिये मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
जयपुर (शमी अली) एडवोकेट
दिनांक-23.01.2022 मो.नं. 9828075086